गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 203
दि. 24.11.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

जोहान्सबर्ग से पीएम मोदी स्वदेश के लिए रवाना, दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं से मिले पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए एक पोस्ट में कहा कि जोहान्सबर्ग में सफल जी-20 समिट एक समृद्ध और टिकाऊ ग्रह (धरती) के निर्माण में योगदान देगा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (23 नवंबर, 2025) को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए. पीएम मोदी की दक्षिण अफ्रीका की यह तीन दिवसीय यात्रा बेहद खास मानी जा रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका में पहले बार आयोजित हुए जी20 शिखर सम्मेलन में दुनिया के कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी की.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, "जी-20 शिखर सम्मेलन में अपने कार्यक्रमों और विश्व नेताओं के साथ बैठकों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग से रवाना हो गए."

G-20 समिट को लेकर पीएम मोदी ने किया पोस्ट

वहीं, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए एक पोस्ट में कहा, "जोहान्सबर्ग में सफल जी-20 समिट एक समृद्ध और टिकाऊ ग्रह (धरती) के निर्माण में योगदान देगा. विश्व नेताओं के साथ मेरी बैठकें और बातचीत बहुत सार्थक रहीं और इनसे विभिन्न देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे.' उन्होंने कहा, 'मैं इस शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए दक्षिण अफ्रीका के अद्भुत लोगों, राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और दक्षिण अफ्रीक की सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं."

दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं से मिले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने रविवार (23 नवंबर, 2025) को कनाडा के अपने समकक्ष मार्क कार्नी, जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, जमैका और नीदरलैंड के अपने समकक्षों से मुलाकात की. इसके साथ, मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा के साथ भी वार्ता की.

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) का दुरुपयोग रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते

का आ'ान किया. मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होने चाहिए और इन्हें विशिष्ट मॉडल के बजाय ओपन सोर्स पद्धति पर आधारित होना चाहिए.

प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (वठरउ) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है.

मोदी ने शनिवार (22 नवंबर, 2025) को ब्रिटेन के अपने समकक्ष केअर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा और विश्व के कई अन्य नेताओं से भी मुलाकात की थी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के अपने समकक्ष मार्क कार्नी से मुलाकात की. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है.'

जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची से मिले पीएम मोदी, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जोहान्सबर्ग में जी 20 शिखर सम्मेलन के बीच ही जापानी समकक्ष साने ताकाइची से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने इनोवेशन, डिफेंस और टेलेंट मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने व्यापार संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने पर इस संबंध में जानकारी दी है।

मोदी ने कहा, "हम दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को बढ़ाने के लिए भी उत्सुक हैं। एक बेहतर धरती के लिए भारत-जापान के बीच मजबूत साझेदारी महत्वपूर्ण है।"

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के

मुताबिक, दोनों नेताओं ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के महत्व को दोहराया। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए भारत-जापान साझेदारी को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता पर भी बात की।

मोदी और ताकाइची ने 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति को स्वीकार किया और रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं निवेश, एसएमई, एआई, अहम खनिजों, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचे के विकास, प्रौद्योगिकी एवं इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में बनी सहमति को जल्द लागू करने की बात कही।

'समाज के सहयोग से खड़ा हो रहा संगठन', सीएम योगी बोले- संघ ने 100 वर्षों में सेवा के साथ कोई सौदेबाजी नहीं की

गीता प्रेरणा उत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए.

(जीएनएस)।

लखनऊ : राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में पहली बार आयोजित हुए दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए. दोनों ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी को श्रीमद् भागवत गीता की प्रति भी संत ज्ञानानंद ने भेंट की.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत

इस दौरान सीएम ने कहा कि राष्ट्र

व भारत में सेवा को ही सौदे के माध्यम बनाया है. वे लोभ, लालच और दबाव से भारत की डेमोग्राफी को बदलने के लिए छल व छद्म का सहारा लेकर अपना ताना-बाना बदलकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं. इन स्थितियों में भगवान की वाणी श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा बन सकती है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भगवद गीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है.

श्रीमद्भगवद गीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है. श्रीमद्भगवद गीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है.

उन्होंने कहा कि गीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है. हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है. उपासना विधि उसका छोटा सा भाग है. हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है. हमने इसे ही 'वे ऑफ लाइफ' के रूप में कहा है.

सीकर शहर में ठंड के बाद जहरीली हवा का कहर, 22 लोगों की बिगड़ी तबीयत

राजस्थान के सीकर शहर में पिछले कुछ दिनों से प्रदूषण का स्तर काफी हद तक बढ़ गया है। अचानक बढ़े वायु प्रदूषण ने शहर के लोगों को काफी परेशान कर दिया है। खास तौर पर बच्चों की सेहत पर इसका गंभीर असर पड़ता दिख रहा है। हवा में जहरीले धुएं और तीखी गंध के चलते 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। बीमार होने वाले लोगों में से 15 बच्चे हैं। जिला प्रशासन और मेडिकल एक्सपर्ट ने खराब वायु गुणवत्ता को देखते हुए बच्चों और बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखने की अपील की है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सीमावर्ती कच्छ जिले को को एक ही दिन में 680 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भुज शहर से कच्छ जिले के 503 करोड़ रुपए से अधिक के 55 विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ गांधीधाम मनपा के 176 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- कच्छ में उद्योगों और पर्यटन के विकास के कारण स्थानीय रोजगार के अनेक अवसर सृजित हुए
- आगामी जनवरी में राजकोट में आयोजित होने वाली सौराष्ट्रझकच्छ क्षेत्र की रीजनल कॉन्फ्रेंस से कच्छ के औद्योगिक निवेश को नया बल मिलेगा
- कच्छ को ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने के लिए रीजनल इकोनॉमिक प्लान तैयार किया जा रहा है
- कच्छ जिले के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास से शहरों में आंतरिक कनेक्टिविटी बढ़ेगी और यात्रा सुगम होगी

गांधीनगर, 23 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को भुज शहर के लालन कॉलेज मैदान से सीमावर्ती कच्छ जिले को 503 करोड़ रुपए से अधिक के 55 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 498 करोड़ रुपए के 52 कार्यों का शिलान्यास और 5.79 करोड़ रुपए लागत के 3 कार्यों का लोकार्पण किया।

कच्छ की धरा पर पहुंचे मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से कच्छी लोगों के जीवन में आए बदलाव को लेकर कहा कि कच्छी माडुओं के जज्बे और पुरुषार्थ से जिले में विकास के नए चमत्कार हुए हैं। प्रधानमंत्री के विजन से कच्छ सबसे तेजी से विकास करने वाला जिला बना है। विनाशक भूकंप के बाद प्रधानमंत्री के विकास के विजन तथा कच्छ के नागरिकों के सहयोग से आज जिले में उद्योग-धंधे, रोजगार और पर्यटन का तेज गति से विकास हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा की पाइपलाइन और नहरों के नेटवर्क से कच्छ के विकास का कायाकल्प हुआ है। कच्छ का रण उत्सव, स्मृति वन और श्री श्यामजी कृष्ण वर्मा मेमोरियल कच्छी संस्कृति के विकास मंदिर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि कच्छ जिला सुनियोजित विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने कच्छ को दोगुनी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। गांधीधाम को महानगर पालिका का दर्जा मिलने से विकास की गति और अधिक तेज होगी।

विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास से कच्छ में बढ़ने वाली बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भुज, अंजार, अबडासा, मांडवी और रापर क्षेत्रों को 503 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों से विकास की नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कच्छ जिले के शहरों को जोड़ने वाली आंतरिक सड़कों के मजबूतीकरण और नवीनीकरण से पर्यटन को गति मिलेगी और नागरिकों का आवागमन सुगम होगा। इस मौके पर उन्होंने नागरिकों से जल संचय सहित अन्य कार्यों में सहभागी होने का अनुरोध भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कच्छ में दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क आकार ले रहा है, जो गुजरात को रिन्यूएबल एनर्जी का हब बनाएगा। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता से धोरडो रण उत्सव के कारण 'इंटरनेशनल टूरिज्म डेस्टिनेशन' बना है। धोरडो के सफेद रण को दुनिया के 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' की सूची में स्थान मिला है। कच्छ में उद्योगों और पर्यटन विकास के कारण स्थानीय रोजगार के अनेक अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के सर्वांगीण विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात के हर क्षेत्र के विकास की स्थानीय क्षमता को ध्यान में रखते हुए उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस शुरू की गई है।

'ये थोपा गया जुल्म है', 16 बीएलओ की मौत पर भड़के राहुल गांधी, चुनाव आयोग पर लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

देशभर में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी रक्फ़ अभियान के बीच बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLO) की लगातार हो रहीं मौतों ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यह कोई सुधार नहीं बल्कि "थोपा गया जुल्म" है, जिसकी वजह से तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। राहुल के बयान के बाद इस मुद्दे पर राष्ट्रीय राजनीति तेज हो गई है।

राहुल गांधी का हमला -"SIR अफरा-तफरी का दूसरा नाम बन चुका है"

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि रक्फ़प्रक्रिया को लेकर देशभर में अराजक स्थिति है। लोगों को 22 साल पुरानी मतदाता सूचियों के हजारों स्कैन पन्ने खंगालने पड़ रहे हैं ताकि वे खुद को ढूंढ सकें। इससे साफ है कि सही मतदाता को थकाकर बाहर कर देने की कोशिश की जा रही है।

राहुल गांधी ने कहा, "तीन हफ्तों में 16 BLO की मौत हो चुकी है। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या - ये सब रक्फ़ की वजह से हो रहा है। यह सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म है।" उन्होंने आगे लिखा कि भारत दुनिया का सबसे एडवांस सॉफ्टवेयर बनाता है, लेकिन चुनाव आयोग आज भी कागजों के पहाड़ खड़े करने पर अड़ा है। अगर नीयत साफ होती, तो यह पूरा सिस्टम डिजिटल, सर्चेबल और पारदर्शी होता।

राहुल गांधी ने लिखा, "SIR के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी है - नतीजा? तीन हफ्तों में 16 BLO की जान चली गई। हार्ट अटैक, तनाव, आत्महत्या, SIR कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म है। ECI ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्कैन पन्ने पलटने पड़ें। मकसद साफ है, सही मतदाता थककर हार जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे।"

राहुल गांधी ने आगे लिखा, "भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है, मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी कागजों का जंगल खड़ा करने पर ही अड़ा है। अगर नीयत साफ होती तो लिस्ट डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती और ECI 30 दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम ठेलने के बजाय उचित समय ले कर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता।"

उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, "SIR एक सोची-समझी चाल है -जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और BLOs की अनावश्यक दबाव से मौतों को "कॉलैटरल डैमेज" मान कर अनदेखा कर दिया है।

एमपी भाजपा में नई ऊर्जा का संचार: श्याम टेलर युवा मोर्चा के कप्तान, अश्विनी परांजपे को महिला मोर्चा की कमान

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में दो महत्वपूर्ण नियुक्तियों का ऐलान किया है। पार्टी ने ऊजार्वान और सक्रिय युवा नेता श्याम टेलर को भारतीय जनता युवा मोर्चा (इख ट) मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जबकि अनुभवी एवं प्रतिबद्ध समाजसेवी अश्विनी परांजपे को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों नई नियुक्तियों को लेकर प्रदेशभर में भाजपा कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

मध्य प्रदेश भाजपा ने शनिवार 23 नवंबर 2025 को अपने संगठन में बड़े बदलावों का ऐलान किया, जिसमें राज्य महिला मोर्चा की कमान इंदौर की प्रमुख नेता और वकील अश्विनी परांजपे को सौंपी गई। केंद्रीय संगठन महामंत्री विनोद तावड़े के निर्देश पर राज्य भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने इस नियुक्ति को औपचारिक रूप दिया।

अश्विनी परांजपे, जो लंबे समय से पार्टी की महिला शाखा में सक्रिय रही हैं, अब लाड़ली बहना योजना जैसे महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को जमीन पर उतारने में अहम भूमिका निभाएंगी। यह नियुक्ति भाजपा की 2023 विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद महिलाओं को संगठन में मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित संक्षिप्त समारोह में अश्विनी परांजपे ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा, "महिला

मोर्चा को मजबूत बनाना मेरा पहला लक्ष्य होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'महिलाओं का सशक्तिकरण' के विजन को धरातल पर उतारेंगे। लाड़ली बहना योजना ने लाखों महिलाओं का जीवन बदला है, अब हम इसे और व्यापक बनाएंगे।" राज्य अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा, "अश्विनी जी का संगठनात्मक अनुभव और महिलाओं के मुद्दों पर मुखरता उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। भाजपा हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने वाली पार्टी रही है।"

अश्विनी परांजपेः संघ परिवार से जुड़ीं, इंदौर की राजनीतिक धुरी

अश्विनी परांजपे का राजनीतिक सफर संघ परिवार से जुड़ा है। वे 2000 से 2014 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ) की सक्रिय पदाधिकारी रहीं और उसके बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी बनीं। इंदौर की रहने वाली परांजपे एक अनुभवी वकील हैं और महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के मुद्दों पर हमेशा मुखर रही हैं।

सम्पादकीय

न्याय शास्त्र विकसित करने की आवश्यकता

भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूयंकांत की चिंता उचित है कि जब हमारे पास अपने पैसले, विदेश का क्यों देते हैं उदाहरण? उन्होंने जोर दिया कि भौगोलिक, स्थानीय, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य जैसे महत्वपूर्ण कारक अन्य देशों में भिन्न हो सकते हैं, इसलिए भारत को अपनी परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं का न्याय शास्त्र विकसित करने की आवश्यकता है। जस्टिस सूयंकांत ने बिल्वुल सही कहा है कि भारत में सरकार एक तरफ तो अभी भी अंग्रेजों द्वारा बनाए संहिताओं और कानूनों को मान्यता दिए हुए है और उन्हीं कानूनों के तहत आम जनता को न्याय दिया जा रहा है। भारतीय दंड संहिता और भारतीय दंड प्रव्रिया संहिता यानि आईपीसी और सीआरपीसी को अंग्रेजों ने इसलिए बनाया था ताकि अपने उपनिवेश की गुलाम जनता को नियंत्रित किया जा सके। इन कानूनों का मुख्य उद्देश्य ही था दंड देना न कि न्याय करना। उनके लिए तो वादी और प्रतिवादी दोनों ही गुलाम थे। कितु मौजूदा सरकार ने उनके स्थान पर अब भारतीय न्याय संहिता बनाकर स्पष्ट कर दिया कि भारत के लिए भारतीय कानून ही लागू हो सकता है, जो हमारे परिवेश के अनुवूल हैं। वुछ वकील असहज जरूर हुए कितु सरकार ने दृढ़ता से पैसले लेकर 1 जनवरी 1862 में बने आईपीसी और 1 अप्रैल 1874 को लागू हुए सीआरपीसी को 25 दिसम्बर 2023 को बदलकर भारतीय न्याय संहिता यानि बीएनएस कर दिया। अब सवाल उठता है कि यदि उपनिवेश काल के कानून बदलने और उन्हें स्वदेशी कलेवर देने में सरकार कदम उठा रही है तो हमारे न्यायिक संस्थान आखिर किस देवदूत की प्रतीक्षा में हैं जो आकर भारतीय न्यायालयों के पैसलों का संग्रह करेंगे और भारतीय न्यायिक अकादमियों जजों एवं विधि संकायों एवं संस्थानों में छात्रों को कौन पढ़ाएगा। भारतीय न्यायालयों द्वारा दिए गए पैसलों के केस स्टडी। हर जज और वकील अपने चैम्बर में एआईआर यानि आल इंडिया रिपोटर्र की महंगी जिल्द तैयार करा करके सजाते हैं। इनमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायिक निर्णयों को प्रकाशित किया जाता है। कितु दुर्भाग्य से इन देशी न्यायिक निर्णयों के संग्रह का जिस तरह सदुपयोग होना चाहिए वह नहीं होता। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णय भारतीय परिवेश के होते हैं, उनका इस्तेमाल होना चाहिए। न्यायिक एकेडमी की बहुत बड़ी भूमिका होती है जजों की समझ विकसित करने में कितु दुर्भाग्य से एकेडमी में जिन लोगों पर इस महान कार्यं का दायित्व है, वे खुद भारतीयता से कटे होने पर गर्व महसूस करते हैं। आखिर इससे बड़ी विडम्बना भारतीय न्याय व्यवस्था की भला और क्या हो सकती है कि जो वादी अंग्रेजी न समझ सकता, न बोल सकता और न लिख सकता उसको अपनी भाषा में न्याय मिल ही नहीं सकता। जस्टिस सूयंकांत का यह तर्व बिल्वुल सही है कि जब देशी न्यायिक उदाहरण या पैसले उपलब्ध हों तो विदेशी उदाहरण नहीं दिया जाना चाहिए कितु इसके साथ ही उन्हें कार्यवाही की भाषा भी स्वदेशी और निर्णयों की भाषा भी स्वदेशी सुनिश्चित करना चाहिए तभी पूर्ण रूपेण स्वदेशी न्याय शास्त्र की परिकल्पना की जा सकती है।

क्या होता है मल्टी-पोस्ट ईवीएम, आम वोटिंग मशीन से कितना अलग? बिहार में इससे क्यों होगा पंचायत चुनाव

(जीएनएस)।

बिहार में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद अब सबकी निगाहें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 पर टिकी हैं। इन चुनावों की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि राज्य निर्वाचन आयोग पहली बार मल्टी-पोस्ट एश्ट का उपयोग करेगा। यह तकनीक चुनाव प्रक्रिया में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली है, क्योंकि अब ग्राम पंचायत सदस्य, मुखिया, पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य जैसे छह पदों के लिए एक साथ मतदान किया जा सकेगा।

यह कदम चुनाव प्रक्रिया को अधिक कुशल, पारदर्शी और तेज बनाएगा, जिससे मतदाताओं को भी सुविधा होगी। इस आधुनिक एश्ट से बिहार के पंचायत चुनाव नई दिशा की ओर बढ़ेंगे।

क्या होता है मल्टी-पोस्ट EVM?

मल्टी-पोस्ट EVM एक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन है जिसे एक साथ कई पदों के लिए मतदान करने की सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है। पारंपरिक एश्ट के विपरीत, जहाँ प्रत्येक पद के लिए अलग बैलेट यूनिट की आवश्यकता हो सकती है, मल्टी-पोस्ट EVM एक ही कंट्रोल यूनिट से कई बैलेट यूनिट को जोड़कर छह से आठ अलग-अलग पदों के लिए वोट डालने की अनुमति देता है। इससे मतदान प्रक्रिया तेज और सुव्यवस्थित हो जाती है, क्योंकि मतदाता को बार-बार अलग-अलग मशीनों का उपयोग नहीं करना पड़ता। यह विशेष रूप से त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों जैसे बड़े स्थानीय चुनावों के लिए उपयोगी है, जहाँ वार्ड सदस्य से लेकर जिला परिषद सदस्य तक कई पदों के लिए एक साथ मतदान होता है।

पहली बार मल्टी-पोस्ट एश्ट का उपयोग

राज्य निर्वाचन आयोग पहली बार मल्टी-पोस्ट EVM के माध्यम से पंचायत आम चुनाव 2026 कराने की तैयारी कर रहा है। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL), हैदराबाद को 32 हजार से अधिक मल्टी-पोस्ट EVM

खरीदने का आदेश दिया है। इन एश्ट के साथ पावर पैक, टोटलाइजर मशीन और डिटैचेबल मेमोरी मॉड्यूल भी खरीदे जा रहे हैं। ये नए EVM M-3 मॉडल की पुरानी मशीनों की जगह लेंगे, जिससे पंचायत चुनाव के सभी छह पदों के लिए एक साथ मतदान संभव हो सकेगा।

NOTA का विकल्प नहीं

बिहार के आगामी पंचायत चुनावों में एक बड़ा बदलाव आने वाला है: अब मल्टी-पोस्ट EVM का इस्तेमाल होगा, लेकिन इसमें नोटा (NOTA) का विकल्प नहीं मिलेगा। ये नए EVM एक साथ आठ पदों तक के लिए चुनाव करा सकते हैं, हालांकि पंचायत चुनावों में छह पद (वार्ड सदस्य, मुखिया, पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य) होते हैं, जिनके लिए एक साथ मतदान होगा। यदि किसी पद पर 15 से अधिक प्रत्याशी हुए, तो दो बैलेट यूनिट की आवश्यकता होगी। हर बूथ पर एक कंट्रोल यूनिट और छह बैलेट यूनिट वाले इन EVM से ही मतदान और मतगणना होगी। पंचायत चुनाव आमतौर पर 10 चरणों में कराए जाते हैं। यह नई व्यवस्था चुनावी प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगी।

आरक्षण रोस्टर में होगा बड़ा बदलाव

बिहार पंचायती राज अधिनियम 2006 के तहत, मुखिया और सरपंच जैसे पदों पर आरक्षण में हर 10 वर्ष पर बदलाव किया जाता है। आगामी पंचायत आम चुनाव 2026 में यह बदलाव लागू होगा, जिससे संभावित प्रत्याशियों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में आरक्षण की नई कैटेगरी पर ध्यान देना होगा। यह बदलाव पंचायत निर्वाचन नियमावली के प्रावधानों के तहत होता है, जो चुनाव मैदान में उतरने वाले उम्मीदवारों के लिए रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चुनाव की तैयारी और संभावित समय-सीमा

राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत आम चुनाव और मतगणना परिणामों को लेकर कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का पहली बार प्रयोग करेगा। ये चुनाव आमतौर पर नवंबर-दिसंबर 2026 में होने की संभावना है, हालांकि आधिकारिक अधिसूचना अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच जारी की जा सकती है। यह चुनाव आमतौर पर 10 चरणों में कराए जाते हैं। इन बदलावों के साथ, बिहार में आगामी पंचायत चुनाव पारदर्शिता और दक्षता के नए आयाम स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

बिहार में मां के दूध में यूरेनियम! 40 केस मिले, वैज्ञानिक ने बताई सच्चाई – क्या बच्चे वाकई खतरे में हैं?

(जीएनएस)।

बिहार से आई एक वैज्ञानिक रिपोर्ट ने पूरे देश को चौंका दिया है। रिसर्च में दावा किया गया कि राज्य के छह जिलों की स्तनपान कराने वाली 40 महिलाओं के ब्रेस्ट मिल्क के सैंपल में यूरेनियम मिला है। पहली नजर में यह जानकारी बेहद डराने वाली लगती है और स्वाभाविक है कि लोग नवजात शिशुओं की सेहत को लेकर चिंतित हो जाएं। लेकिन इसी बीच नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी यानी ठउ्टअ के शीर्ष वैज्ञानिक और न्यूक्लियर एक्सपर्ट डॉ. दिनेश के असवाल ने बड़ी राहत देने वाला बयान दिया है।

उन्होंने साफ कहा कि इस रिपोर्ट में पाया गया यूरेनियम का स्तर हल्ढ की सीमा से कई गुना कम है और इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। आखिर क्या है पूरा मामला, किस रिपोर्ट ने हड़कंप मचाया और ठउ्टअ वैज्ञानिक ने क्यों कहा कि "स्तनपान बिल्कुल सुरक्षित है"? आइए समझते हैं।

6 जिलों में ब्रेस्ट मिल्क में मिला यूरेनियम, 40 महिलाओं की जांच में चौंकाने वाले तथ्य

नेचर जर्नल में पब्लिश शोध में पटना के महावीर कैंसर संस्थान, अक्क्टर दिल्ली और अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने 2021 से 2024 के बीच

बिहार के भोजपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार और नालंदा जिलों में 40 स्तनपान कराने वाली महिलाओं के ब्रेस्ट मिल्क के सैंपल लिए।

रिसर्च में पाया गया कि सभी महिलाओं के दूध में यूरेनियम-238 मौजूद था, जिसकी मात्रा 0 से 5.25 ॅ/छ के बीच थी। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि 70% नवजातों में "संभावित नॉन-कार्सिनोजेनिक रिस्क" दिखा, हालांकि यह खतरा "सैद्धांतिक" बताया गया।

वैज्ञानिकों की चेतावनी: ग्राउंडवॉटर में यूरेनियम बढ़ रहा है

स्टडी में कहा गया कि बिहार समेत देश के 18 राज्यों और 151 जिलों में भूजल में यूरेनियम की समस्या बढ़ रही है। शोधकर्ताओं ने यह भी कहा कि नवजात शिशु, मां की तुलना में अधिक संवेदनशील होते हैं क्योंकि उनके शरीर में रियल-टाइम यूरेनियम एलिमिनेशन की क्षमता कम है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया कि प्रभावित जिलों में व्यापक स्तर पर बायो-मॉनिटरिंग की जरूरत है।

NDMA वैज्ञानिक का बड़ा बयान: "यह खतरे वाली बात नहीं, घबराने की बिलकुल जरूरत नहीं"

जब यह रिपोर्ट सुर्खियों में आई तो लोगों में डर बढ़ गया। सोशल मीडिया पर कई दावा करने लगे कि बिहार में बच्चों पर कैंसर का खतरा मंडरा रहा है। इसी बीच न्यूक्लियर वैज्ञानिक और ठउ्टअ के सदस्य डॉ। दिनेश के। असवाल ने NDTV से बात करते हुए बड़े तथ्य सामने रखे।

उन्होंने कहा, "यह स्तर बिल्कुल सुरक्षित सीमा में है। हल्ढ की परमिसिबल लिमिट पीने के पानी में 30 स्र्रु है, जबकि बिहार के सैंपल में सिर्फ 5 स्र्रु पाया गया। यह उससे छह गुना कम है।"

डॉ. असवाल ने साफ कहा कि यह किसी भी रूप में 'पब्लिक हेल्थ कंसर्न' का मामला नहीं है। उन्होंने आगे कहा, "घबराने की कोई जरूरत नहीं है। माताएं बिना किसी डर के बच्चों को स्तनपान कराएं।"

AIIMS दिल्ली के वैज्ञानिक का मत: "असर कम, स्तनपान जारी रखें"

अध्ययन के सह-लेखक डॉ. अशोक शर्मा (AIIMS दिल्ली) ने भी कहा, यूरेनियम की मात्रा परमिसिबल लिमिट के भीतर है। वास्तविक स्वास्थ्य प्रभाव "बहुत कम" है। माताएं स्तनपान बंद न करें। उन्होंने बताया कि हालांकि 70% बच्चों में संभावित रिस्क दिखा, लेकिन यह सिर्फ एक वैज्ञानिक आकलन है, न कि तुरंत खतरे का संकेत।

दुनिया भर में मिट्टी और पानी में मिलता है यूरेनियम

डॉ. असवाल ने बताया कि यूरेनियम प्राकृतिक रूप से मिट्टी और चट्टानों में मौजूद होता है। यह बहुत छोटी मात्रा में खाने, पानी और हवा के जरिए शरीर में पहुंचता है। लेकिन इसका ज्यादातर हिस्सा मूत्र के जरिए बाहर निकल जाता है और ब्रेस्ट मिल्क में बहुत कम आता है।

अध्ययन का उद्देश्य था, ब्रेस्ट मिल्क में यूरेनियम की मौजूदगी समझना, माताओं और शिशुओं में संभावित रिस्क की गणना, उन इलाकों की पहचान करना जहां भूजल में यूरेनियम ज्यादा है। यह रिसर्च आगे नीति निर्धारण और ग्राउंडवॉटर क्वालिटी सुधारने में मदद करेगी।

क्या नवजातों पर खतरा है? विशेषज्ञ क्या कहते हैं

सभी विशेषज्ञ एक बात पर एकमत हैं, नवजातों के लिए फिलहाल कोई वास्तविक खतरा नहीं है। स्तनपान रोकना सबसे बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा कि माताओं को घबराने नहीं है, जागरूक रहने की जरूरत है। हल्ढ और वठक्उएत्र भी स्तनपान को "सर्वश्रेष्ठ पोषण" मानते हैं और उससे दूर रहने को शिशु स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक बताते हैं।

महाराष्ट्र और मुंबई में क्या चक्रवात सेनयार मचाएगा तबाही? भारत मौसम विज्ञान विभाग की जानें भविष्यवाणी

बंगाल की खाड़ी में एक नई मौसमी प्रणाली सक्रिय हो रही है, जिससे चक्रवात सेनयार (रील्ल८१) बनने की संभावना है। यह प्रणाली महाराष्ट्र के कई हिस्सों, विशेषकर मुंबई, में आगामी दिनों में मौसम को प्रभावित कर सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 22 नवंबर के आसपास एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की पहचान की थी, जिसके 24 नवंबर तक गहरे दबाव में बदलने की उम्मीद है।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह चक्रवाती प्रणाली महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में नमी लेकर आएगी। इसी के चलते मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जैसे कोंकण बेल्ट में 23 और 24 नवंबर को हल्की बारिश का अनुमान है।

महाराष्ट्र के किन जिलों में होगी बारिश?

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह मौसमी बदलाव महाराष्ट्र के तटीय इलाकों की ओर नमी खींचेगा, जिससे राज्य में लंबे समय से चल रहे शुष्क मौसम का अंत हो सकता है। पूवार्नुमानों के मुताबिक, 23 और 24 नवंबर को कोंकण तट पर हल्की बारिश की संभावना है, जिसमें मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जैसे जिले शामिल हैं।

मुंबई में क या होगी बारिश?

मुंबई में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, खासकर तटीय और पश्चिमी भागों में अधिक वर्षा दर्ज की जा सकती है। यह बारिश भले ही तेज न हो, लेकिन इससे मौजूदा शुष्क और गर्म माहौल से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। 24 नवंबर को दोपहर और शाम के समय बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे शहर में कुछ समय के लिए उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। हालांकि, चक्रवात सेनयार का मुख्य प्रभाव अभी भी मुख्य भूमि से दूर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर केंद्रित है, जहाँ भारी बारिश और समुद्र में तेज लहरें उठने की आशंका है।

मौसम विशेषज्ञों ने दी ये सलाह

फिलहाल, मुंबई या पुणे के लिए कोई गंभीर मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। फिर भी, मौसम विशेषज्ञों ने निवासियों, खासकर तटीय महाराष्ट्र के लोगों को, पूवार्नुमानों पर बारीकी से नजर रखने की सलाह दी है। जैसे-जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, स्थानीय मौसम केंद्र समय पर अपडेट प्रदान करते रहेंगे।

किन क्षेत्रों को करेगा प्रभावित?

स्काईमेट वेदर के अनुसार, चक्रवात सेनयार 25-26 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी में बन सकता है और इसके तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों की ओर बढ़ने की संभावना है। हालांकि, मौसम विज्ञानी अभी भी इसकी दिशा और तीव्रता को लेकर अनिश्चित हैं, क्योंकि दो अलग-अलग सकुर्लेशन सिस्टम - एक श्रीलंका/कोमोरिन सागर के पास और दूसरा मलक्का के पास - सक्रिय हैं।

उ८ु'ङ्गल्ली रील्ल८१ क या महाराष्ट्र में मचाएगा तबाही?

चक्रवात सेनयार का मुख्य प्रभाव महाराष्ट्र के तट से दूर रहेगा। इसका सबसे ज्यादा असर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर भारी बारिश और बेहद खराब समुद्री परिस्थितियों के साथ पड़ने की आशंका है। पुणे शहर पर इस प्रणाली का खास प्रभाव नहीं दिखेगा। यहां आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं और रात के तापमान में हल्की वृद्धि हो सकती है, लेकिन व्यापक बारिश की संभावना नहीं है।

IMD ने मुंबई, पुणे के लोगों को दी ये सलाह

वर्तमान में, IMD ने मुंबई या पुणे के लिए कोई गंभीर चेतावनी जारी नहीं की है। फिर भी, विशेषज्ञों ने तटीय महाराष्ट्र के निवासियों को स्थानीय मौसम अपडेट्स पर ध्यान देने की सलाह दी है, क्योंकि इस प्रणाली की तीव्रता और दिशा में बदलाव आ सकता है। मौसम एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं और आवश्यक होने पर अतिरिक्त जानकारी जारी करेंगी।

राजस्थान रॉयल्स के सभी 7 मैच होंगे बाहर! जयपुर में नहीं, कारण जान उड़ जाएंगे होश

(जीएनएस)।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल में अपने घरेलू मैच दो मैचों पर खेलती है। पहला नाम जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम है, जो शुरू से ही टीम का ग्राउंड रहा है। इसके बाद असम के गुवाहाटी में स्थित बरसापाड़ा स्टेडियम भी इस टीम का दूसरा वेन्यू बन गया। अब एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि राजस्थान रॉयल्स ने जयपुर को छोड़ दूसरा स्टेडियम तलाशना शुरू कर दिया है। अगर ऐसा होता है, तो आगामी आईपीएल में राजस्थान में एक भी मुकाबला देखने को नहीं मिलेगा और फैन्स के लिए यह बड़ा झटका होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट की नजर अब पुणे के गहुंजे स्थित एमसीए स्टेडियम पर है। बताया जा रहा है कि

आरआर अधिकारियों और महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के बीच शुरूआती बातचीत भी हो चुकी है। रॉयल्स की ऑपरेशंस टीम ने वहां का दौरा भी किया है। वहां उन्होंने एमसीए स्टेडियम, आसपास के होटल, एयरपोर्ट कनेक्टिविटी और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं का जायजा लिया।

शिफ्ट के पीछे मुख्य वजह राजस्थान क्रिकेट संघ के बीच चल रहे विवाद को माना जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीए के एक अधिकारी ने राजस्थान रॉयल्स के ऊपर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए थे। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स ने उस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए आरोपों को खारिज कर दिया था। अगर राजस्थान रॉयल्स के लिए पुणे स्थित स्टेडियम फाइनल होता है, तो वहां चार मुकाबले खेले जा सकते हैं। बचे हुए तीन होम मैच गुवाहाटी में खेले जाएंगे। इस तरह टीम का नाम राजस्थान रॉयल्स होगा और जयपुर में मैच एक भी नहीं होगा। वेन्यू को लेकर अंतिम फैसला बीसीसीआई के ऊपर निर्भर होगा। पिछले आईपीएल में जीत के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ के दौरान कई लोगों की जान चली गई थी, इस वजह से अब वहां मैच नहीं होंगे।

'क्योंकि सास भी बहू थी' फेम एक्ट्रेस बनीं दुल्हनियां, 23 साल के लिव-इन रिलेशन के बाद बॉयफ्रेंड से रचाई शादी

(जीएनएस)।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' धारावाहिक के जाने-माने कलाकार अश्लेषा सावंत और संदीप बसवाना ने 23 साल के लंबे रिश्ते के बाद आखिरकार शादी कर ली है। यह जोड़ा, जो अपने स्थिर रिश्ते के लिए हमेशा सराहा गया है, ने एक शांत और अंतरंग समारोह में अपनी शादी को आधिकारिक बनाया। उनकी नई जारी की गई शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं।

इन तस्वीरों में दोनों को खुशी से झूमते हुए और मैचिंग पेस्टल गुलाबी पोशाक पहने देखा जा सकता है। कुछ तस्वीरों में वे माला पहने हुए भी नजर आ रहे हैं। अश्लेषा और संदीप ने अपने प्रियजनों की मौजूदगी में अपने रिश्ते को एक नया आयाम दिया। दुल्हन अश्लेषा ने हल्के ब्लश गुलाबी रंग की साड़ी चुनी, जिसमें नाजुक कढ़ाई और चमचमाते चांदी के विवरण थे।

वहीं, संदीप ने कढ़ाई वाले पेस्टल शेरवानी और मैचिंग पगड़ी में उनका

साथ दिया। उन्होंने अपने संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, "और ऐसे ही, हमने मिस्टर एंड मिसेज के रूप में एक नए अध्याय में कदम रखा... परंपरा ने हमारे दिलों में जगह बनाई। हम सभी आशीवार्दों के लिए आभारी हैं।"

जैसे ही उन्होंने तस्वीरें साझा कीं, कई हस्तियों और उनके टीवी उद्योग के सहयोगियों ने टिप्पणी अनुभाग को बधाई संदेशों से भर दिया। किश्वर मर्चेंट ने लिखा, "हे भगवान, यह अद्भुत है.. आप लोगों को बधाई।" एबिगेल पांडे ने टिप्पणी की, "आप दोनों के लिए प्यार, प्यार और केवल प्यार। बधाई हो।"

पुलकित सम्राट, दिशा परमार, सृति झा, नकुल मेहता, निधि शाह, पूजा बनर्जी, चम डारंग, सुप्रिया शुक्ला, माही विज, सुधांशु पांडे, मुस्कान बामने और अन्य सेलेब्स ने भी नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। अश्लेषा और संदीप की प्रेम कहानी अप्रैल 2024 में बॉम्बे टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार के दौरान सामने आई।

संदीप ने बताया कि वे कैसे रिश्ते में आए। उन्होंने कहा, "चूंकि उसका घर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के सेट से दूर था, इसलिए वह सप्ताह में कुछ रातें मेरे घर पर बिताती थी। और वे कुछ रातें महीनों में बदल गईं और हमें एहसास हुआ कि हम एक-दूसरे के साथ खुश थे।"

उन्होंने आगे कहा, "कुछ महीनों तक साथ रहने के बाद, मैं डर गया और ब्रेकअप करना चाहता था (मुस्कुराते हुए)। लेकिन अश्लेषा ने बताया कि अगर चीजें काम नहीं करतीं तो हमारे पास हमेशा अलग होने का विकल्प था। धीरे-धीरे, हमारा बंधन मजबूत होता गया और फिर अलग होने का विचार कभी हमारे मन में नहीं आया।"

80 साल की दादी से 1.08 करोड़ की ठगी! पुलिस के नाम पर रची ऐसी साजिश, सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे!

(जीएनएस)।

मुंबई में साइबर अपराधियों ने एक 80 वर्षीय वरिष्ठ महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' का झांसा देकर 1.08 करोड़ रुपये ठग लिए। खुद को आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला बताने वाली एक महिला और उसके साथियों ने मनी-लॉन्ड्रिंग का फर्जी केस बताकर पीड़ित को धमकाया।

यह मुंबई के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड में से एक है, जिसने साइबर सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस ने नागपुर के एक बैंक खाते से 35 लाख रुपये फ्रीज कर दिए हैं और जांच जारी है। साइबर सेल ने नागरिकों को ऐसे फ्रॉड से बचने की सलाह दी है।

धोखाधड़ी की चौंकाने वाली शुरूआत

धोखाधड़ी की शुरूआत 27 अक्टूबर को हुई, जब पीड़ित महिला को 'विजय खन्ना' नामक एक कथित अधिकारी का फोन आया। उसने दावा किया कि महिला के आधार कार्ड का इस्तेमाल मनी-लॉन्ड्रिंग केस में हुआ है और उनका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया जाएगा। घबराई महिला की

कॉल को एक दूसरी महिला को ट्रांसफर किया गया, जिसने खुद को आईपीएस रश्मि शुक्ला बताया। यहीं से 'डिजिटल अरेस्ट' का खेल शुरू हुआ, जिसने महिला को मानसिक रूप से परेशान कर दिया।

फर्जी अरेस्ट वारंट का दिखाया डर

ठगों ने पीड़ित महिला को बताया कि वे अब 'डिजिटल अरेस्ट' में हैं और उन्हें जांच में सहयोग करना होगा, अन्यथा तत्काल गिरफ्तारी होगी। उन्हें एक फर्जी अरेस्ट वारंट भी भेजा गया। इस लगातार मानसिक दबाव और धमकियों के चलते, पीड़ित महिला ने अपनी सारी जमा पूंजी, कुल 1.08 करोड़ रुपये, ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए।

आरोपी का बैंक खाता फ्रीज

जब पीड़ित के बैंक खाते खाली हो गए और कॉल्स आने बंद हो गए, तब उन्हें एहसास हुआ कि वे ठगी का शिकार हुई हैं। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद सेंट्रल साइबर सेल ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि एक बड़ी राशि नागपुर के हितेश महुस्कर नामक व्यक्ति के बैंक खाते में भेजी गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उस खाते से 35 लाख रुपये फ्रीज कर लिए हैं। आरोपी के खिलाफ इठर और क्ळ एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

साइबर सेल का महत्वपूर्ण अलर्ट और सलाह

इस गंभीर साइबर फ्रॉड के मद्देनजर, साइबर सेल ने नागरिकों को चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भारतीय कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान नहीं है। कोई भी पुलिस अधिकारी फोन पर न तो गिरफ्तारी कर सकता है और न ही पैसे मांग सकता है। साइबर सेल ने लोगों को डळढ साझा न करने, अनजान कॉल्स को नजरअंदाज करने और किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

गोधरा स्टेशन पर 'शंटिंग मेला' का सफलतापूर्वक आयोजन

'शंटिंग मेला' का सफल आयोजन

वडोदरा मंडल के परिचालन विभाग द्वारा सुरक्षित ट्रेन परिचालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में गोधरा स्टेशन पर 'शंटिंग मेला' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संरक्षा पश्चिम रेलवे के लिए सर्वोपरि है। इसी क्रम में परिचालन विभाग के कर्मचारियों के लिए गोधरा में शंटिंग मेला आयोजित किया गया, जिसमें 107 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में प्रश्नोत्तर सत्र एवं खुली चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस मेले के अंतर्गत आयोजित सेमिनार में परिचालन विभाग के रेल कर्मचारियों से शंटिंग कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियाँ, लोड की स्टेबलिंग के समय आवश्यक एहतियात, पावर ब्लॉक के दौरान सुरक्षा उपाय, दिन एवं रात में हाथ संकेतों का उपयोग, पॉइंट्स की क्लैम्पिंग के समय सावधानियाँ आदि के बारे में उच्च अधिकारियों द्वारा खुली चर्चा की गई और उनको संरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक किया गया।

श्री सक्सेना ने बताया कि वडोदरा मंडल के परिचालन विभाग की यह पहल रेलवे कर्मचारियों में सुरक्षा प्रक्रियाओं को मजबूत करने, स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने तथा निरंतर सीखने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

24 नवंबर 2025 की साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस निरस्त

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा जोधपुर-साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को अति आवश्यक मरम्मत कार्य के कारण निरस्त किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- 24 नवंबर 2025 की ट्रेन संख्या 12461 जोधपुर-साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- 24 नवंबर 2025 की ट्रेन संख्या 12462 साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुंबई मेट्रो में शुरू हुए आम यात्रियों के लिए 996 स्मार्ट लॉकर, जानें किस रूट के यात्रियों को मिलेगी यह सुविधा

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो में सफर करते हुए आम यात्रियों के लिए कई अतिरिक्त सुविधाएं शुरू की गई हैं। मेट्रो और एटॉप पेमेंट सॉल्यूशन ने मिलकर ब्लू लाइन के 12 स्टेशनों पर 996 स्मार्ट लॉकर सेवा शुरू की है। इन लॉकरों का उद्देश्य यात्रियों की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। साथ ही, ई-कॉमर्स डिलिवरी और रोज सफर करनेवाले यात्रियों के लिए यह बड़ी राहत बन सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई सुविधा का लाभ लगभग 5 लाख दैनिक यात्रियों को मिलेगा। ये स्मार्ट लॉकर उन यात्रियों के लिए डिजाइन किए गए हैं जिन्हें ऑफिस, मार्केट, रेस्तरां या अन्य ट्रांसपोर्ट हब पर जाते समय शॉर्ट-टर्म स्टोरेज की आवश्यकता होती है।

ब्लू लाइन पर शुरू हुई यह सुविधा

- मुंबई मेट्रो के ब्लू लाइन पर यह

सुविधा शुरू की गई है। अगर इसे सफलता मिलती है तो दूसरे रूट पर भी इसे शुरू किया जा सकता है।

- इन स्मार्ट लॉकर में यात्री खाद्य सामग्री, पर्सनल आइटम, पार्सल और ऑनलाइन ऑर्डर को सुरक्षित रूप से स्टोर कर सकते हैं।

एटॉप कंपनी पहले ही दिल्ली मेट्रो के 250 स्टेशनों पर 25,000 से अधिक लॉकर संचालित करती है। अब मुंबई की अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रणाली में भी इसी मॉडल को लागू करने जा रही है।

इस से मिलेगी यात्रियों को बड़ी सुविधा

यात्री इन लॉकरों को मोबाइल ऐप, एसएमएस या क्यूआर कोड के जरिए आसानी से एक्सेस कर सकते हैं। ये लॉकर अलग-अलग आकार में उपलब्ध हैं। छोटे लॉकर में 5 किलो और बड़े लॉकर में 10 किलो तक का सामान रखा जा सकता है। कीमतें 20 रुपये प्रति घंटे (छोटे लॉकर) से शुरू होकर 30 रुपये प्रति घंटे (मीडियम लॉकर) तक हैं। सुरक्षित उपयोग के लिए सभी लॉकरों में 247 सीसीटीवी निगरानी और ओटीबी-बेस्ड वेरिफिकेशन की सुविधा उपलब्ध होगी।

कूरियर सर्विस और ई-कॉमर्स के लिए बेहतरीन विकल्प

स्मार्ट लॉकर का उपयोग ब्रांड प्रमोशन, टेंपरेरी स्टोरेज, रैपिड कूरियर सर्विस, और तेज ऑनलाइन ऑर्डर पिकअप-ड्रॉप के लिए किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार, इस बढ़ते लॉकर नेटवर्क से शहर में लॉजिस्टिक इंटीग्रेशन बेहतर होगा। साथ ही, अर्बन एमिशन कम करने में भी मदद मिलेगी। यह सिस्टम गिग वर्कर्स और छोटे बिजनेस के लिए एक विश्वसनीय कूरियर व डिलिवरी हब साबित होगा। मुंबई मेट्रो के अनुसार, 'यात्रियों की रोजमर्रा की यात्रा को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।'

मुंबई लोकल ट्रेन के इस मेन लाइन पर रहेगा मेगाब्लॉक, प्रभावित ट्रेनों की देखिए लिस्ट

(जीएनएस)।

मंबई लोकल ट्रेन में चलने वाले यात्रियों को रविवार को परेशानी का सामना करना होगा। इसकी वजह है कि सेंट्रल रेलवे की मुंबई डिविजन 23 नवंबर रविवार को अपनी मेन मुंबई लोकल ट्रेनों की मेन लाइनों पर इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगाब्लॉक संचालित करेगी।

यह मेगाब्लॉक ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर सुबह 10:40 बजे से दोपहर 3:40 बजे तक प्रभावी रहेगा।

इस दौरान, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) मुंबई से सुबह 09:34 बजे से दोपहर 3:03 बजे के बीच छूटने वाली डाउन फास्ट/सेमी-फास्ट लोकल सेवाओं को ठाणे और कल्याण के बीच डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

ये ट्रेनें कालवा, मुंब्रा और दिवा स्टेशनों पर अपने निर्धारित हॉल्ट के अतिरिक्त रुकेंगी और गंतव्य पर 10 मिनट की देरी से पहुंचेंगी।

इसी तरह, कल्याण से सुबह 10:28 बजे से दोपहर 3:40 बजे के बीच चलने वाली अप फास्ट/सेमी-फास्ट सेवाओं को कल्याण और ठाणे के बीच अप स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

ये सेवाएं दिवा, मुंब्रा और कालवा स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टॉप लेंगी और मुलुंड स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर रीडायवर्ट होकर अपने गंतव्य पर 10 मिनट की देरी से पहुंचेंगी।

डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें जो उरटळ/दादर से प्रस्थान करती हैं, उन्हें ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच 5वीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

CSMT/दादर पहुंचने वाली अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को कल्याण और ठाणे/विक्रोली स्टेशनों के बीच 6वीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

हार्बर और ट्रांस-हार्बर लाइनों पर कोई मेगाब्लॉक नहीं होगा, हालांकि बेलापुर और पनवेल के बीच एक विशेष ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा।

रेलवे ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है और बताया है कि ये रखरखाव मेगाब्लॉक बुनियादी ढांचे के उचित रखरखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।

प्रभादेवी पुल प्रोजेक्ट का काम फिर अटका, 47 करोड़ रुपयों की वजह से रुका कंस्ट्रक्शन

(जीएनएस)।

मुंबई शहर के सबसे पुराने पुलों में से एक प्रभादेवी रोड ओवरब्रिज का काम एक बार फिर अटक गया है। सौ साल से ज्यादा पुराने इस पुल को गिराकर एक नया डबल डेकर पुल बनाने की योजना है। इस प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले ही तकनीकी और प्रशासनिक समस्याएं आई थीं। अब एक बार फिर इसका काम बीच में रोकना पड़ा है। वजह है मध्य रेलवे ने वे-लीव और अन्य तकनीकी शुल्कों में अचानक कई गुना बढ़ोतरी कर दी। पहले जहां रेलवे सिर्फ 10 करोड़ रुपये लेने को तैयार था। अब नई नीति के चलते यह मांग बढ़कर 47 करोड़ रुपये हो गई है।

रेलवे की सीमा में आने वाले 132 मीटर लंबे इस पुल को हटाकर महाराष्ट्र रेल इन्फ्रा डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (महारेल) यहां एक आधुनिक डबल-डेकर पुल बनाना चाहती है। इसे एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अब वे-लीव शुल्क बढ़ने से प्रोजेक्ट लागत में भारी इजाफा तय है। इस वजह से वित्तीय संकट भी गहरा गया है।

- पुल को तोड़ने के लिए रेलवे ब्लॉक की योजना तैयार की जा रही

है। इस पर महारेल, मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के बीच लगातार बैठकें हो रही हैं।

- चर्चा का मुख्य फोकस यह है कि लोकल ट्रेन सेवा पर असर डाले बिना काम कैसे किया जाए। ब्लॉक के दौरान कौन सी मशीनरी इस्तेमाल होगी।

- मशीनरी का संचालन कैसे होगा, इन मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इन मुद्दों का ब्लूप्रिंट भी बनकर तैयार हो गया है।

पश्चिम रेलवे ने भी की है 59 करोड़ की मांग

बता दें कि पश्चिम रेलवे पहले ही प्रभादेवी आरओबी के लिए 59.14 करोड़ रुपये का वे-लीव शुल्क मांग चुकी है। अब मध्य रेलवे ने वे-लीव शुल्क 10 करोड़ से बढ़ाकर 47 करोड़ कर दी है। इस नई मांग के बाद अकेले वे-लीव शुल्क ही 106 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच जाएगा। महारेल का अनुमान है कि रेलवे क्षेत्र में पुल निर्माण पर 167 करोड़ रुपये तक का खर्च आएगा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि दूसरे विकल्पों की तलाश की जा रही है और इसे सुलझाने की बात भी की।

वे-लीव चार्ज क्या होता है?

रेलवे की जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण कार्य होता है, जैसे कि केबल लाइन, जल पाइपलाइन, बिजली लाइन या पुल, तो बनाने के लिए रेलवे की अनुमति लेनी होती है। इस अनुमति के बदले जो फीस ली जाती है, उसे 'वे-लीव चार्ज' कहते हैं। भारतीय रेलवे की नई नियमावली लागू होने के बाद इन शुल्कों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी की है। प्रभादेवी आरओबी प्रोजेक्ट पर अब कुल लागत काफी बढ़ने की आशंका है, जिससे इसकी समयसीमा और बजट दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

शिवपुरी के पिछोर में दामोदर सिंह यादव की 'संविधान बचाओ सभा' की अनुमति क्यों हुई रद्द, जानिए पूरा सच!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दलित पिछड़ा समाज संगठन (उद्धरर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 24 नवंबर को शिवपुरी जिले के पिछोर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाली 'संविधान बचाओ सभा रैली' की अनुमति अचानक रद्द कर दी गई।

चार दिन पहले प्रशासन से मिली मंजूरी के बावजूद, सभा के एक दिन पहले एसडीएम और एसडीओपी ने इसे निरस्त कर दिया। यादव का आरोप है कि यह फैसला बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा के डर से लिया गया, जो उसी दिन पिछोर में शुरू हो रही है।

शिवपुरी के पिछोर में दामोदर सिंह यादव की 'संविधान बचाओ सभा' की अनुमति रद्द होने पर उठे सवाल

यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर अंधविश्वास, पाखंड और आडंबर फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी रैली का मकसद लोगों को जागरूक करना था, लेकिन प्रशासन ने संविधान के पक्ष में उठने वाली आवाज को दबाने की कोशिश की है। अब उन्होंने 15 दिसंबर को पिछोर में हजारों समर्थकों के साथ आंदोलन का ऐलान किया है।

अनुमति क्यों रद्द? प्रशासन का बहाना या दबाव का खेल?

दामोदर सिंह यादव ने बताया कि 20 नवंबर को उन्होंने स्थानीय प्रशासन से रैली की अनुमति ली थी। पिछोर के एक मैदान में 'संविधान बचाओ सभा' आयोजित करने का प्लान था, जिसमें संविधान की रक्षा, दलित-पिछड़ों के अधिकार और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता पर फोकस होना था। लेकिन 23 नवंबर को एसडीएम और एसडीओपी ने फोन पर सूचना दी कि "पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण अनुमति निरस्त की जाती है।" यादव ने सवाल उठाया, "चार दिन पहले तो पुलिस व्यवस्था पर्याप्त थी, आज क्यों नहीं? क्या मध्य प्रदेश में इतनी पुलिस नहीं कि एक शांतिपूर्ण सभा को संभाला जा

सके? अगर सच में कमी है तो सरकार क्यों पुलिस भर्ती नहीं कर रही?"

यह विवाद तब और गहरा गया जब यादव ने स्पष्ट किया कि उनकी रैली का एक मुख्य उद्देश्य धीरेंद्र शास्त्री की कथा के खिलाफ प्रचार था। उन्होंने कहा, "धीरेंद्र शास्त्री अपनी कथाओं के जरिए आडंबर और पाखंड फैलाते हैं। वे दलित-पिछड़ों को वैज्ञानिक सोच से दूर कर मनुवादी विचारधारा में धकेलने का काम करते हैं। हम लोगों को जागरूक करना चाहते थे कि संविधान के मूल्यों से भटकना खतरनाक है। लेकिन उनके ऐलान के बाद ही अनुमति रद्द कर दी गई। क्या यह संयोग है या दबाव का नतीजा?"

धीरेंद्र शास्त्री की कथाः लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा, सुरक्षा का सवाल

24 नवंबर से पिछोर में धीरेंद्र शास्त्री की सात दिवसीय हनुमान कथा का आयोजन होना है। बागेश्वर धाम ट्रस्ट ने लाखों श्रद्धालुओं के आने का दावा किया है। पोस्टर-पैंफलेट और सोशल मीडिया पर प्रचार जोरों पर है। ट्रस्ट ने कहा कि यह कथा संपूर्णता और एकता का संदेश देगी। लेकिन यादव का ऐलान कि वे कथा स्थल के पास ही पाखंड के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगे, ने स्थानीय प्रशासन को चिंतित कर दिया।

पिछोर के एक स्थानीय निवासी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "धीरेंद्र जी की कथा में लाखों लोग आएंगे, सुरक्षा का इंतजाम मुश्किल है। लेकिन उद्धरर की रैली भी शांतिपूर्ण थी। क्या दो कार्यक्रमों को एक साथ संभालना असंभव है?" जिला प्रशासन ने कहा कि निर्णय कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया गया। लेकिन विपक्ष ने इसे "सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का डर" बताया।

दामोदर सिंह यादव का धमाकेदार बयानः "संविधान विरोधियों, सुन लो!"

दामोदर सिंह यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुस्से से कहा, "प्रशासन ने चार दिन पहले अनुमति दी, तो एक दिन पहले निरस्त क्यों? क्या आडंबर-पाखंड के खिलाफ और संविधान के पक्ष में उठ रही आवाज को दबाना चाहते हैं? हम आंदोलन करेंगे, कोर्ट जाएंगे। सुन लो संविधान विरोधियों, अब मैं आऊंगा! 15 दिसंबर को पिछोर में हजारों साथियों के साथ अपने हक-अधिकारों की लड़ाई लड़ूंगा। यह सिर्फ पिछोर की नहीं, पूरे मध्य प्रदेश की लड़ाई है।"

यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर सीधा निशाना साधाः "वे चमत्कार दिखाकर लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। संविधान वैज्ञानिक सोच सिखाता है, लेकिन उनकी कथाएं अंधविश्वास फैलाती हैं। हम डॉ. अंबेडकर के विचारों को जीवंत रखेंगे।" यादव ने कहा कि अगर अनुमति न मिली तो वे सड़क पर उतरेंगे - धरना, रेल रोको, हाईकोर्ट में याचिका।

कानून व्यवस्था पर सवालः पुलिस की कमी या राजनीतिक दबाव?

मध्य प्रदेश में हाल के महीनों में कानून व्यवस्था को लेकर कई विवाद उछले हैं। भिंड में पुलिस हिरासत में मारपीट, सागर में सांप्रदायिक तनाव, छतरपुर में लव जिहाद के आरोपों पर बजरंग दल की कार्रवाई - ये घटनाएं सरकार पर सवाल खड़े कर रही हैं। अब पिछोर का मामला जोड़ गया।

विपक्षी नेता कमलनाथ ने ट्वीट किया, "मोहन यादव सरकार में संविधान की आवाज दबाई जा रही है। क्या भाजपा को धीरेंद्र शास्त्री की कथा से ज्यादा डर है?" भाजपा ने कहा, "प्रशासन का निर्णय तटस्थ है। शांति बनाए रखने के लिए लिया गया।"

सवाल उठ रहे हैंः अगर पुलिस बल कम है तो भर्ती क्यों नहीं? (मध्य प्रदेश में 2024 में 7,000 से ज्यादा पुलिस पद खाली हैं।) क्या धार्मिक आयोजनों को प्राथमिकता देकर सामाजिक जागरूकता को दबाया जा रहा है? यादव के खिलाफ पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं - क्या यह दबाव का नतीजा है?

15 दिसंबरः पिछोर में नया संग्राम?

यादव का 15 दिसंबर का ऐलान अब सियासी हलचल मचा रहा है। उद्धरर ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से कार्यकताओं को बुलाने का प्लान बनाया है। पिछोर में तनाव बढ़ने की आशंका है। प्रशासन ने कहा कि नए आवेदन पर विचार होगा, लेकिन यादव ने चेतावनी दी, "हम संविधान के रक्षक हैं, दबेंगे नहीं।"

यह विवाद मध्य प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे सकता है। एक तरफ धार्मिक आयोजन, दूसरी तरफ संवैधानिक जागरूकता - बीच में फंसी कानून व्यवस्था। दामोदर सिंह यादव की लड़ाई अब सिर्फ पिछोर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राज्य की हो गई है। क्या 15 दिसंबर को शांति बनी रहेगी या सियासी तूफान खड़े हो जाएगा? पूरा राज्य सांस रोके इंतजार कर रहा है।

गौतम अडानी का भारतीय ज्ञान की वैश्विक पहचान मजबूत करने में बड़ा कदम, इंडोलॉजी मिशन के लिए दिए 100 करोड़ रुपये

(जीएनएस)।

वैश्विक इंडोलॉजी कॉन्क्लेव में गौतम अडानी ने 'भारत नॉलेज ग्राफ' के लिए 100 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इस पहल का मकसद भारत की सभ्यतागत विरासत और ज्ञान को सुरक्षित रखना और इंडोलॉजी से जुड़े शोधकताओं को मजबूत सहयोग देना है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने बताया कि यह डिजिटल ढांचा अपनी तरह का पहला प्रयास है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में हमारे प्राचीन ज्ञान को व्यवस्थित करके आने वाली पीढ़ियों के लिए तैयार करेगा।

गौरतलब है कि अडानी ग्रुप, शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के सहयोग से, तीन दिवसीय वैश्विक इंडोलॉजी कॉन्क्लेव की मेजबानी कर रहा है। इसका लक्ष्य इंडोलॉजी - भारत की सभ्यता, भाषाओं, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक अकादमिक अध्ययन - को पुनर्जीवित करना है। गौतम अडानी ने अपने मुख्य भाषण में कहा, "शुरूआत के तौर पर, मैं भारत नॉलेज ग्राफ के निर्माण और इंडोलॉजी मिशन में योगदान देने वाले विद्वानों व प्रौद्योगिकीविदों के समर्थन के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रारंभिक योगदान देते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। यह सभ्यतागत ऋण का पुनर्भुगतान है।"

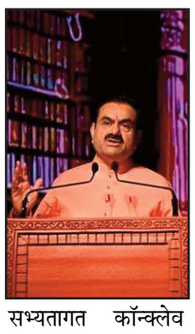

जगद्गुरु शंकराचार्य ने गौतम अडानी की पहल की सराहना की

इस कॉन्क्लेव में ज्योतिर मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वह आदि शंकराचार्य से चली आ रही आचार्य परंपरा में 46वें शंकराचार्य हैं। शंकराचार्य ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा, "जब मैंने शंकराचार्य का पद संभाला था, तब मैंने कहा था कि मेरी भूमिका तभी सार्थक होगी जब भारत विश्वगुरु बनेगा और आज, गौतम अडानी की यह पहल मेरे उसी सपने को बड़ा समर्थन दे रही है।"

ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव

20 से 22 नवंबर 2025 तक अहमदाबाद स्थित अडानी कॉर्पोरेट हाउस में आयोजित यह वैश्विक इंडोलॉजी कॉन्क्लेव खास महत्व रखता है। जब दुनियाभर में इंडोलॉजी विभाग सिकुड़ रहे हैं, ऐसे समय में यह आयोजन भारत की ज्ञान परंपराओं को फिर से केंद्र में लाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान-व्यवस्थाओं का स्वामित्व पुनः स्थापित करना और उन्हें शोध-आधारित, प्रामाणिक भारतीय दृष्टिकोण के साथ वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना है।

अडानी ने कहा- इंसानियत से ज्यादा मशीनों के एल्गोरिदम के हिसाब से ढलने लगते हैं

गौतम अडानी ने कहा कि अगर कोई सभ्यता अपने सांस्कृतिक और भावनात्मक मूल्यों की खुद रक्षा नहीं करती, तो लोग धीरे-धीरे परंपरा और संस्कृति से दूर होने लगते हैं। उनकी सोच और व्यवहार इंसानियत से ज्यादा मशीनों के एल्गोरिदम के हिसाब से ढलने लगते हैं। यह बदलाव धीरे-धीरे और चुपचाप होता है, लेकिन इससे हम अपने देश को कैसे महसूस करते हैं, कैसे सीखते हैं और कैसे समझते हैं-सब कुछ बदल सकता है।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड से नहीं मिलेगी राहत, आईएमडी का बारिश के लिए अलर्ट

(जीएनएस)।

राजस्थान में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। 22 नवंबर की शाम तक पूरे प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क रहा और कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई। बाड़मेर दिन का सबसे गर्म स्थान बना रहा, जबकि शेखावाटी का फतहपुर सबसे ठंडा रहा है। रविवार के लिए भी मौसम विभाग का अनुमान है कि पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क ही रहेगा और आसमान साफ दिखेगा। हालांकि, सुबह और शाम में पारा तेजी से गिरेगा और लोगों को अच्छी ठंड लग सकती है।

मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक राजस्थान में मौसम स्थिर रहने वाला है। बारिश की कोई संभावना नहीं है और शुष्क मौसम के साथ ही साफ आसमान रहेगा। हालांकि, रात को पारा गिरने की संभावना है और शेखावटी हिस्से में ठंड के साथ कोहरे का भी असर नजर आएगा।

किसी भी जिले के लिए अलर्ट नहीं

- मौसम विभाग के मुताबिक, 23 नवंबर राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में आर्द्रता का स्तर सामान्य रह सकता है। शनिवार को न्यूनतम आर्द्रता 52 प्रतिशत और अधिकतम 95 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

- आईएमडी के अनुसार, 23 नवंबर 2025 को राजस्थान में मौसम मुख्य रूप से शुष्क और साफ रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान औसतन 27त्ड और न्यूनतम तापमान 13त्ड के आसपास रहने की संभावना है।

- हालांकि, रात और सुबह के समय पारा और गिर सकता है जिससे सर्दी महसूस होगी। हवा की रफ्तार 5 से 15 किमी प्रति घंटे के आसपास रहने का अनुमान है और आर्द्रता करीब 32 प्रतिशत रह सकती है।

- दिन में खिली धूप ने ठंड से थोड़ी राहत दी, लेकिन शाम और रात के दौरान सर्द हवाएं महसूस होती रहेंगी। आईएमडी ने रविवार के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया है।

शेखावटी क्षेत्र में कड़ाके की सर्दी

मौसम विभाग का अनुमान है कि जयपुर में दिन में तापमान 26-27त्ड और रात में लगभग 12त्ड रह सकता है। माउंट आबू में तापमान शून्य के करीब पहुंच चुका है और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को भी पारा ज्यादा ऊपर नहीं चढ़ेगा। फतहपुर (सीकर) में न्यूनतम तापमान पहले ही 6.6त्ड तक दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में पारा और नीचे जा सकता है। पूरे शेखावटी क्षेत्र में इस वक्त कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सुबह और शाम कोहरे की वजह से विजिबिलिटी भी प्रभावित है।

IMD ने तापमान गिरने का अलर्ट किया जारी

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तरी हवाओं का दबदबा अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा। फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ के पूरी तीव्रता से सक्रिय होने का अनुमान नहीं है। हालांकि, रात और सुबह का तापमान तेजी से गिर सकता है। फिलहाल बारिश के कोई संकेत नहीं हैं और राज्य में मौसम पूरी तरह स्थिर रहने वाला है। यह शुष्क मौसम किसानों के लिए राहत लेकर आया है। स्वास्थ्य विभाग ने बुजुर्गों और बच्चों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मानवता का संवैधानिक दायित्वः बृज की रसोई ने आशियाना में निःशुल्क भोजन सेवा की नई मिसाल पेश की

बाबा नीम करौली जी की प्रेरणा से चला सेवा अभियान– बृज की रसोई ने जरूरतमंदों तक पहुँचाई उम्मीद की थालीः विपिन शर्मा

लखनऊ (उ.प्र.), (जीएनएस)। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) के सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के अंतर्गत आज आशियाना क्षेत्र में निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह सेवा प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा तथा प्राणीझमात्र सेवा की संकल्पना पर आधारित है।

दीपक भुटियानी ने बताया कि सायं 3 बजे साईं मंदिर, सेक्टरझजे (आशियाना) से प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया। वितरण दल ने पूर्व निर्धारित मार्गों पर पहुँचकर निराश्रित, अकिंचन एवं असहाय बच्चों तथा जरूरतमंद परिवारों को ताजा, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया।

संजय श्रीवास्तव के अनुसार कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों और बुजुर्गों ने भोजन ग्रहण किया। संस्था द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि पूरे वितरण क्रम में शालीनता, पारदर्शिता और पूर्ण अनुशासन बनाए रखा जाए। उपस्थित सेवा सदस्यों ने बताया कि मानवता, सद्भाव और

परस्पर सहयोग की भावना का प्रसार ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

अनुराग दुबे ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन प्रदान करने का कार्य नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, करुणा और सकारात्मक सामाजिक आचरण के विस्तार का माध्यम है। बृज की रसोई प्रत्येक सप्ताह ऐसे सेवाकार्यों के जरिए हजारों जरूरतमंदों तक सहयोग पहुँचाती रहती है।

दिव्यांश शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उपस्थित होकर सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। संस्था ने सभी सेवाभावी नागरिकों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि भविष्य में भी यह मानवीय अभियान और अधिक व्यापक स्तर पर जारी रहेगा।

विकास पाण्डेय ने जानकारी दी कि निःशुल्क भोजन वितरण सेक्टरझ एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के समीप स्थित झुग्गीझझोपड़ियों, निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी आवास, नगर निगम जोनझ8 की मलिन बस्तियों तथा रतनखंड पानी टंकी सहित अनेक क्षेत्रों में सम्पन्न हुआ। इस दौरान लगभग 1500 निराश्रित, अकिंचन एवं असहाय जरूरतमंदों को सप्रेम राजमाझचावल परोसा गया।

संस्था के समर्पित पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक संजय श्रीवास्तव, दीपक भुटियानी, अनुराग दुबे, नितिन गुप्ता, नवल सिंह, मुकेश कनौजिया, ओम प्रकाश लोधी एवं दिव्यांश शर्मा सहित अनेक समाजसेवियों ने इस अभियान में सक्रिय रूप से सहभागिता दर्ज कराई।

इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के संस्थापक विपिन शर्मा ने नागरिकों से हृदयपूर्ण आग्रह किया कि वे अपने सहयोग की इस पवित्र धारा को निरंतर बनाए रखें, ताकि भूख से जूझ रहे बच्चों और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सुरक्षा, स्नेह और नई उम्मीद की रोशनी पहुँचाई जा सके। उन्होंने कहा कि नागरिकों की प्रत्येक छोटी सहायता भी उनके भविष्य को सँवारने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

गन्ना तौल में अनियमितता की शिकायतः ग्राम प्रधान ने उपजिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग

(जीएनएस)।

पीलीभीत के विकास खंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत चंदिया में गन्ना तौल प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत सामने आई है। ग्राम प्रधान ने इस संबंध में उपजिलाधिकारी को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि गांव के किसानों का गन्ना सेंटर पर तौलने के बजाय सीधे उठाव के दौरान ही ट्रॉलियों में भरा जा रहा है। इससे किसानों को सही तौल नहीं मिल पा रही है और गन्ना के वास्तविक वजन तथा दर्ज वजन में भारी अंतर देखा जा रहा है।

ग्राम प्रधान ने बताया कि गांव के लगभग 70 किसान सक्रिय रूप से गन्ना आपूर्ति कर रहे हैं। तौल व्यवस्था में इस गड़बड़ी के कारण सभी किसान परेशान हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना

करना पड़ रहा है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान गन्ना सीजन शुरू होने से पहले सेंटर नंबर-1 पर तौल व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, तौल केंद्र अभी भी गांव से दूर स्थापित है, जिससे किसानों को अतिरिक्त परेशानी और खर्च उठाना पड़ रहा है।

ग्राम प्रधान ने उपजिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि गन्ना तौल में हो रही इन अनियमितताओं की गहन जांच कराई जाए। साथ ही, किसानों को सही तौल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

किसानों ने भी प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि यदि यह समस्या शीघ्र हल नहीं हुई, तो उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी और उन्हें गन्ना भुगतान में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

दहेज न देने पर विवाहिता को दिया 'तीन तलाक': पीलीभीत में पति समेत 7 लोगों पर केस दर्ज

(जीएनएस)।

पीलीभीत में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता को उसके पति ने मायके जाकर 'तीन तलाक' दे दिया। इस मामले में सुनगढ़ी पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुनगढ़ी थाना क्षेत्र की ईदगाह काशीराम कॉलोनी निवासी मुस्कान का निकाह तीन साल पहले कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फीलखाना निवासी आसिफ से हुआ था। उनकी एक बेटी भी है। तहरीर के अनुसार, बेटी के जन्म के बाद से ही पति आसिफ, सास अफरोज जहां, जेठ दानिश, जेठानी अलीशा, निक्की और फईम ने मुस्कान से दहेज में बाइक और दो लाख रुपये

की मांग शुरू कर दी थी।

दहेज देने से मना करने पर ससुराल वाले मुस्कान के साथ मारपीट करते थे। एक बार उसे कमरे में बंद करके डंडे से भी पीटा गया। विवाहिता ने यह भी बताया कि उसका जेठ उस पर बुरी नीयत रखता था। मायके वालों के समझाने के प्रयास भी ससुराल पक्ष पर बेअसर रहे।

पीड़िता ने बताया कि 14 नवंबर 2025 को उसके पति ने मारपीट करते हुए उसे और उसकी बच्ची को ससुराल से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने मायके आ गई। अगले ही दिन, 15 नवंबर की सुबह 8 बजे, उसका पति आसिफ मायके पहुंचा और मायके पक्ष के लोगों के सामने ही उसे तीन तलाक दे दिया।

थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने जानकारी दी कि मुस्कान की तहरीर के आधार पर पति आसिफ समेत सात लोगों के खिलाफ सुनगढ़ी थाने में दहेज उत्पीड़न और तीन तलाक संबंधित धाराओं के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

जेकेएसएस का 14 दिसम्बर को मनाया जायेगा चतुर्थीय स्थापना दिवस/सम्मान समारोह

(जीएनएस)।

जनपद पीलीभीत के नगर पालिका परिषद माँ यशवन्तरी देवी मंदिर पर दोपहर जन कल्याण सुरक्षा संघ की एक बैठक संपन्न हुई जिसमें जन कल्याण सुरक्षा संघ के आगामी होने वाले चौदह दिसम्बर 2025 को चतुर्थीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों के साथ मिलकर उनसे विचार विमर्श किया गया संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रहमपाल सिंह ने कार्यक्रम में पहुचे पदाधिकारियों कार्यकताओं एवं सहयोगियों से कहां की जन कल्याण सुरक्षा संघ आप सभी का परिवार है संघ में आप सभी का समान अधिकार है आप सभी के कठिन परिश्रम एवं अमूल्य त्याग से संगठन से लगातार हर वर्ग हर जाति समुदाय के लोग जुड़ने का काम कर रहे हैं आप सभी के माध्यम से संगठन समाज के प्रति एक अच्छी दिशा में कार्य कर रहा है और इसी तरह से आप सभी सच्ची लगन निष्ठा पूर्वक ईमानदारी से कार्य करते रहेंगे तो संगठन संपूर्ण भारत में विस्तार करेगा तब और भी ज्यादा से ज्यादा समाज के दबे कुचले शोषित वंचित गरीब किसान मजदूर कमजोर वर्ग के लोगों की हर संभव मदद की जायेगी चौदह दिसंबर 2025 को आपका जन कल्याण सुरक्षा संघ चार वर्ष पूर्ण करने जा रहा है जिसको लेकर पीलीभीत शहर के भारत मुकुट बैंकट हाल में संघ का चतुर्थीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम मनाया जायेगा कार्यक्रम में हमारा प्रयास रहेगा कि जनपद के मा. मंत्रीगण सभी विधायकगण एवं कई अधिकारियों के साथ साथ जनप्रतिनिधि मैजूद रहेगें सभी पदाधिकारीगण कार्यकर्तागण एवं सहयोगीगणों से मेरी अपील है कि आप सभी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभी से जुट जाए श्रीपाल सिंह राष्ट्रीय महासचिव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 14 दिसंबर का समय बहुत नजदीक आ चुका है आप सभी लोग एक दूसरे से फोन के माध्यम से या मिलकर संपर्क साधने में जुट जाए कार्यक्रम में लगभग हजार लोगों की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है हम सभी संगठन के सदस्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीगण एक गोष्ठी के माध्यम से गांव-गांव जाकर स्थापना दिवस के प्रचार प्रसार हेतु ज्यादा से ज्यादा लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने के लिए अपील करें कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रहमपाल सिंह ने संगठन में लंबे समय से काम कर रहे हैं राजू सिंह चौधरी को तहसील उपाध्यक्ष सदर के पद से पड़ोन्नति करते हुए तहसील अध्यक्ष सदर बनाएं जाने एवं काशीराम यादव को तहसील उपाध्यक्ष सदर पीलीभीत के पद पर मनोनयन की घोषणा की है दोनों पदाधिकारियों का फूल माला डालकर स्वागत किया एवं संघ की टोपी पहनाकर सम्मानित किया इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से राय सिंह यादव मंडल कार्यकारी सदस्य मण्डल बरेली शमशाद हुसैन जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिंह जिला सचिव पूनम देवी वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष महिला पीलीभीत राजाराम पासवान जिला कार्यकारणी पीलीभीत नंदराम वर्मा ब्लॉक उपाध्यक्ष ललौरीखेड़ा सुमित्रा गंगवार नगर अध्यक्ष महिला पीलीभीत रीतराम तहसील सचिव कलीनगर भूपराम पासवान तहसील सचिव कलीनगर ध्रुव सिंह ठाकुर तहसील व्यवस्थापक कलीनगर नीरज कुमार तहसील कार्यकारिणी सदस्य कलीनगर आरती गौतम ब्लॉक अध्यक्ष महिला भावल खेड़ा शाहजहांपुर शिव सिंह यादव ग्राम अध्यक्ष ढकिया केसरपुर सबीना अंसारी फिजा अंसारी ग्राम सदस्य महचन्दी सत्येंद्र कुमार गुप्ता विजय राठौर लेखराज सदस्यगण सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

पुलिस झंडा दिवस पर ध्वजारोहण, एएसपी विक्रम दहिया ने सलामी दी

(जीएनएस)।

पीलीभीत में रविवार को पुलिस झंडा दिवस धूमधाम से मनाया गया।रिजर्व पुलिस लाइन में विशेष कार्यक्रम, परेड संबोधित कर उच्च संदेश पढ़ा, कर्मियों को निष्ठा व सेवा का संदेश, 1952 की गौरवशाली परंपरा का स्मरण, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी शामिल

रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित विशेष समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक (अरढ) विक्रम दहिया ने ध्वजारोहण कर पुलिस ध्वज को सलामी दी। यह दिवस पुलिसकर्मियों के साहस, समर्पण व बलिदान की याद दिलाता। दहिया ने परेड को संबोधित किया, उच्च उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण संदेश सुनाया व सभी को ईमानदारी से कर्तव्य निभाने का आह्वान किया। पुलिस ध्वज की गरिमा बनाए रखने व नागरिक सेवा पर जोर। 1952 से मनाया जाने वाला यह दिवस, जब पंडित नेहरू ने यूपी पुलिस को झंडा प्रदान किया था झ बलिदान व सेवा का प्रतीक।

कार्यक्रम में अरढ दहिया ने कहा, "पुलिस परिवार का हर सदस्य सेवा में समर्पित। चुनौतियों के बीच भी जनता की रक्षा प्राथमिक।" परेड में सैकड़ों पुलिसकर्मी शामिल, जोरदार तालियां। अतिथिः क्षेत्राधिकारी यातायात विधि भूषण मौर्या, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु गायत्री यादव, प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार राघव व विभिन्न शाखाओं के प्रभारी। सभी ने पुलिस की गौरवशाली परंपरा को नमन किया। एसपी अभिषेक यादव ने बधाई दी झ "ध्वज हमारा मान, सेवा हमारा धर्म।" शहरवासी सराहे झ "पुलिस का सम्मान, समाज की सुरक्षा।" समारोह समापन पर चाय-नाश्ता।

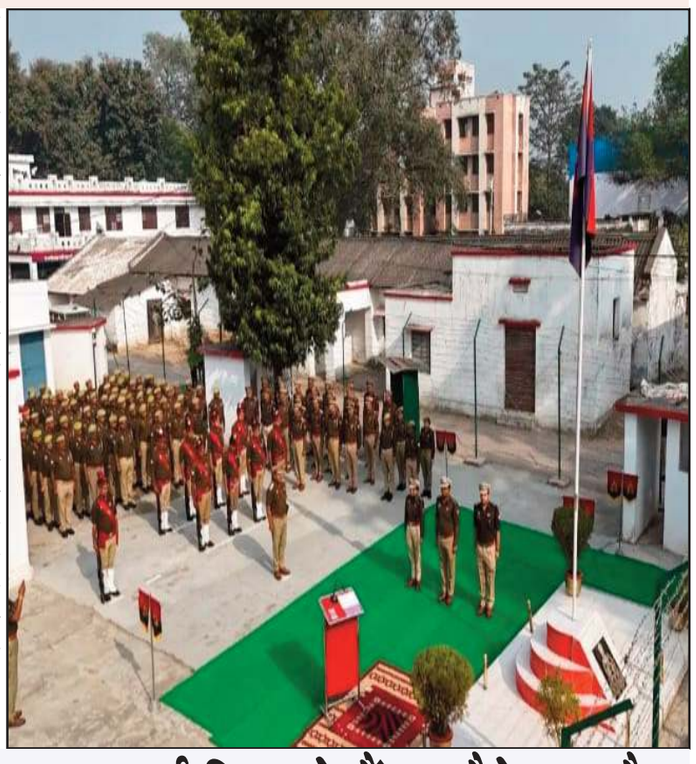

बरखेड़ा कुन्दनपुर गौटिया में श्रद्धा की मिसालः चुन्नी लाल का भंडारा, रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी की नेक पहल

(जीएनएस)।

बरखेड़ा– पीलीभीत जिले के बीसलपुर तहसील अंतर्गत बरखेड़ा कुन्दनपुर गौटिया गांव में एक बार फिर सामाजिक सद्भाव और धार्मिक श्रद्धा का अनुपम उदाहरण देखने को मिला। स्थानीय निवासी चुन्नी लाल ने पिछली वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्ण श्रद्धा और भक्ति के साथ क्षेत्रवासियों को भंडारे का प्रसाद वितरित किया। यह भंडारा न केवल गांव की परंपरा को मजबूत करता है, बल्कि पूरे इलाके में एकता और आपसी सहयोग का संदेश देता है। चुन्नी लाल, जो एक रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी हैं, अपनी पेंशन और सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज सेवा में सक्रिय रहते हैं। उनकी यह पहल लोगों के बीच सराहनीय है और इसे एक सामाजिक उत्सव की तरह मनाया गया। बरखेड़ा कुन्दनपुर गौटिया का यह भंडारा एक मिसाल है कि कैसे एक व्यक्ति की श्रद्धा पूरे समुदाय को जोड़ सकती है। चुन्नी लाल जैसे लोग समाज के सच्चे नायक हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के सेवा करते हैं। उम्मीद है कि यह परंपरा वर्षों तक चलेगी और अन्य लोगों को भी प्रेरित करेगी।

क्रेन ने शादी से लौटते युवक जगन्नाथ उर्फ बिट्टू को रौंदा, मौके पर मौत

(जीएनएस)।

पीलीभीत में सड़क सुरक्षा की पोल खोलते हुए एक दर्दनाक हादसा हो गया।करगैना गांव के पास रफ्तार से अनियंत्रित वाहन ने कुचला, चालक फरार, थानाध्यक्ष अमित सिंह ने क्रेन जब्त कर शव पोस्टमॉर्टम भेजा, परिवार शोकाकुल, सड़क सुरक्षा पर सवाल,अमरिया थाना क्षेत्र के करगैना गांव के पास शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार क्रेन ने 28 वर्षीय युवक जगन्नाथ उर्फ बिट्टू को रौंद डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक शादी समारोह से अपने गांव लौट रहा था। क्रेन चालक भाग गया, लेकिन पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष अमित सिंह की अगुवाई में टीम ने तुरंत एक्शन लिया, शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरा व पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिवारिक विवाद या नशे की जांच, इलाके में

शोक की लहर।

हादसा शनिवार रात करगैना-कुंडा मार्ग पर घटा। जगन्नाथ (ग्राम करगैना, अमरिया) पड़ोसी गांव में शादी अटेंड कर बाइक पर लौट रहा था। अचानक सामने से आती क्रेन अनियंत्रित हो गई, सीधी टक्कर मारी। बिट्टू सड़क पर लुढ़क गया, चीखने से पहले ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने चीखें सुनी, दौड़े तो क्रेन खाली मिली झ चालक फरार। तुरंत 112 पर कॉल, अमरिया थाना प्रभारी अमित सिंह मय फोर्स पहुंचे। सिंह ने बताया, "मौके पर शव, क्रेन साइड में खड़ी। वाहन नंबर ट्रेस कर चालक की तलाश। मृतक का परिवार नोटिस, परिजन रो-रोकर बेहाल। कढउ 304अ व मोटर व्हीकल एक्ट में मुकदमा। सैंपल जांच, क्या चालक नशे में? जल्द गिरफ्तारी।"

परिवार ने बताया, "बिट्टू इकलौता कमाने वाला, शादी की खुशी में गया था। अब घर उजड़ गया।" एसपी अभिषेक यादव ने निर्देश झ "सड़क हादसों पर रोक, गश्त बढ़ाओ। ड्राइवरों को चेतावनी।" ग्रामीण आक्रोशित झ "रात के समय क्रेन? रफ्तार कंट्रोल करो।" मृतक के दो भाई-बहन, पिता किसान। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार, चालक पकड़ पर नजर। सड़क पर चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग।

निमार्ताओं की सुविधा के लिए वन विंडो क्लियरेंस रखा गया है- श्री प्रणव कुमार

आईएफएफआई 2023 में, बिहार के उभरते सिनेमा पर हुई चर्चा में फिल्म निमार्ताओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से नई फिल्म नीतियों को प्रदर्शित किया गया। मुख्य हस्तियों ने राज्य की बदलती छवि और निर्माण के अवसरों पर जोर दिया।

गोवा में चल रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) में नॉलेज सीरीज के तहत (रूटेड इन रिजन बिहार्स इमर्जिंग सिनेमा (जड़ से जुड़ावः बिहार में सिनेमा का उदय) विषय पर चर्चा हुई है। इस चर्चा में बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम (बिहार फिल्म निगम) के प्रबंध निदेशक और कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार (आईएएस), अभिनेत्री, फिल्म प्रोड्यूसर, मॉडल और थियेटर आर्टिस्ट नितू चंद्रा, इंडियन मोशन पिक्चर एसोसिएसन (इम्पा) के अध्यक्ष और प्रोड्यूसर अभय सिन्हा, अभिनेता विनीत कुमार और निमार्ता और अभिनेता विकास कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन फिल्म इन्फॉर्मेशन के एडिटर कोमल नाहटा ने किया।

फिल्म निगम के प्रबंध निदेशक ने कहा कि बिहार लगातार विकसित हो रहा है और उसी कड़ी में नए पहल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले भी शूटिंग होती थी, लेकिन अब उसे एक व्यवस्थित रूप दिया गया है। बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति बनाने से पहले विभिन्न राज्यों और देश की फिल्म नीतियों का अध्ययन किया गया है और सबकी अच्छी बातों को लेने के साथ ही फिल्म निमार्ताओं की खास जरूरतों का भी ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा, "बिहार में शूटिंग के लिए प्रोड्यूसर को आकर्षित करने के लिए अनुदान देने की व्यवस्था की गई है।" उन्होंने कहा कि निमार्ताओं की सुविधा के लिए वन विंडो क्लियरेंस रखा गया है। हर जिलों में नोडल अफसर नियुक्त किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नई फिल्म नीति में फिल्म के साथ-साथ वेबसीरीज, टीवी सीरियल और डॉक्यूमेंट्री में भी ये सहूलियतें देने के साथ ही अनुदान की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि बिहार के हर जिले में शूटिंग स्थलों का डेटाबेस बनाया है। जल्द ही इन स्थलों को वीआर मोड में देखा जा सकता है, इससे शूटिंग स्थल पर रेकी किए बिना भी बहुत हद तक अंदाजा लगाया जा सकता है। इसके अलावा, लोकेशन के साथ ही वहां फिल्म निमार्ताओं की पूरी जानकारी रहेगी।

श्री प्रणव कुमार ने कहा कि बिहार की जो छवि बनी थी वह काफी पुरानी बात हो गई है। बिहार में सुरक्षा की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। बिहार में जिन्होंने शूटिंग की है उन्हें यह बात पता है। उन्होंने कहा कि बिहार की छवि सिनेमा से बदलने की कोशिश नहीं है, बल्कि यहां फिल्म निर्माण की संस्कृत बनाना मुख्य उद्देश्य है।